''जयपुर जिले के नट समुदाय के प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन''

जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं के शिक्षा अधिस्नातक (एम. एड.) उपाधि की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध–प्रबन्ध

2015–2017

निर्देशक

प्रो. बी. एल. जैन

शोधकर्त्री

वत्सला शर्मा

एम. एड. (छात्रा)

शिक्षा विभाग

जैन विश्व भारती संस्थान

लाडनूं – 341306 (राजस्थान)

घोषणा पत्र

मैं वत्सला शर्मा शोधकर्त्री जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय लाडनूँ यह घोषणा करती हूँ कि मैनें अपना लघु शोध प्रबंध का कार्य जिसका शीर्षक ''जयपुर जिले के नट समुदाय के प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन'' निर्देशक प्रो. बी. एल. जैन के कुशल एव प्रेरणास्पद मार्गदर्शन में पूर्ण किया। यह कार्य मेरी मौलिक कृति है।

दिनांक

शोधकर्त्री

वत्सला शर्मा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि वत्सला शर्मा एम. एड. (छात्रा), सत्र 2015–2017 शिक्षा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं की शिक्षा अधिस्नात्मक उपाधि की आंशिक पूर्ति हेतु लघु शोध प्रबन्ध ''जयपुर जिले के नट समुदाय के प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन'' मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में परिश्रम एवं लग्न से पूरा किया है।

निर्देशक

प्रो. बी. एल. जैन

(विभागाध्यक्ष, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूँ)

।। श्री नाथाय नमः ।।

आभार प्रसून

" विद्या के इस पावन मन्दिर में सच्चा ज्ञान प्राप्त किया ,
अनुशासन का पाठ पढ़ा विद्या अर्जुन का ध्येय बना।
केवल पुस्तकीय शिक्षा की नहीं सैद्धान्तिक प्रयोगिक ज्ञान लिया।।"

जीवन में हर दिन, हर पल कुछ नया कर दिखाना मूर्त जीवन की निशानी है। इन कार्यो में अनेक बाधाएँ सामने आती है। परन्तु प्रयत्नशील प्राणी उनका सामना करता रहता है। मैनें इस विशाल समुन्द्र को पार करने का साहस तो किया परन्तु यह मां सरस्वती की कृपा और अपने गुरूजनों के आशीर्वाद से ही पूर्ण हो सका है।

मैं सर्वप्रथम अपने पर्यवेक्षक विभागाध्यक्ष **प्रो. बी. एल. जैन** के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ जिनके अत्यन्त सहज, प्रेमपूर्ण व्यवहार, प्रोत्साहन व सुझाव से इस लघु शोध प्रबन्ध का कार्य मैनें पूर्ण किया। मैं हमारे विभाग के समस्त व्याख्यातागणों **डॉ मनीष भटनागर, डॉ भावाग्राही प्रधान, डॉ विष्णु कुमार, डॉ. सरोज राय, डॉ.आभा सिंह, डॉ. अमिता जैन, डॉ.गिरधारी लाल शर्मा, डॉ. अदीती गौतम, पुस्तकालयध्यक्ष महिमा जैन,** जैन विश्व भारती शिक्षण संस्थान लाडनूँ (नागौर) जिन्होनें समय समय पर मुझे मार्गदर्शन देकर शोध कार्य को पूरा करने में सहयोग दिया।

मैं अपने पिताजी श्री **कुलवन्तराय शर्मा**, माताजी **श्रीमती सुशीला शर्मा**, ससुर श्री **सीताराम जी शर्मा** व सास श्रीमती **संतोष देवी** का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ जिनके स्नेह एवं सहयोग के बिना यह शोध कार्य पूर्ण नहीं हो सकता था।

मैं अपने पति **श्री अनिल कुमार** का भी हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ जिनके प्रेम, सहयोग व स्नेह से मैं आज इस मुकाम तक पहुँच पायी हूँ। जिन्होनें सदैव मुझे आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी और हर कदम पर मेरा साथ निभाया तथा कुछ करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इसके पश्चात् मैं अपने बच्चे वासु के प्रति स्नेह प्रकट करती हूँ जिन्होनें अपनी मधुर मुस्कान से हौंसला प्रदान किया साथ ही मैं अपने **भाई सुमित तथा भाभी ज्योति** का भी आभार प्रकट करती हूँ जिन्होनें समय समय पर मेरे शोध कार्य में सहयोग किया।

अन्त में **श्री भंवरलाल सैनी** (ग्लोबल कम्प्यूटर एकेडमी) के प्रति भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होनें अल्प समय में इस लघु शोध को कम्प्यूटर के द्वारा पूर्णता प्रदान की।

विनीत

वत्सला शर्मा

(एम.एड छात्रा)

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ स.
1	**प्रथम अध्याय–शोध परिचय**	**1–17**
1.1	प्रस्तावना	
1.2	समस्या का औचित्य	
1.3	समस्या कथन	
1.4	कठिन शब्दों का परिभाषीकरण	
1.5	संबंधित शोध साहित्य	
1.6	समस्या से उभरने वाले प्रश्न	
1.7	शोध के उद्देश्य	
1.8	शोध की परिकल्पनाऐं	
1.9	न्यादर्श	
1.10	चर	
1.11	उपकरण	
1.12	शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी	
1.13	शोध का परिसीमन	
2	**द्वितीय अध्याय– सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन व पुनरावलोकन**	**18–29**
2.1	प्रस्तावना	
2.2	सम्बन्धित साहित्य का अर्थ एवं परिभाषाएँ	
2.3	सम्बन्धित साहित्य की परिभाषाएँ	
2.4	सम्बन्धित साहित्य का महत्व	
2.5	सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन के उद्देश्य	
2.6	सम्बन्धित साहित्य के लाभ	

2.7	सम्बन्धित साहित्य की सीमाएँ	
2.8	सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन के स्त्रोत	
3	**तृतीय अध्याय : अनुसंधान शोध विधि व उपकरण**	30—51
3.1	प्रस्तावना	
3.2	अनुसंधान का अर्थ परिभाषाएँ	
3.3	अनुसंधान की आवश्यकताएँ	
3.4	अनुसंधान की विशेषताएँ	
3.5	अनुसंधान विधियाँ	
3.6	प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त विधि	
3.7	सर्वेक्षण के अर्थ एवं परिभाषाऐं	
3.8	सर्वेक्षण के प्रकार	
3.9	सर्वेक्षण विधि की विशेषताएँ	
3.10	जनसंख्या एवं न्यादर्श	
3.11	न्यादर्श का अर्थ	
3.12	न्यादर्श की परिभाषाएँ	
3.13	न्यादर्श चयन की विशेषताएँ	
3.14	न्यादर्श की विधियाँ	
3.15	न्यादर्श चयन	
3.16	न्यादर्श के लाभ व गुण	
3.17	चर का अर्थ एवं परिभाषाएँ	
3.18	शोध में प्रयुक्त चर	
3.19	उपकरण	
3.20	परिकल्पना का अर्थ एवं परिभाषाएँ	
3.21	परिकल्पनाओं के प्रकार	
3.22	परिकल्पना की विशेषताएँ	
3.23	परिकल्पना का महत्व	

3.24	शोध में प्रयुक्त परिकल्पनाएँ	
3.25	अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यकि का अर्थ व परिभाषाएँ	
3.26	सांख्यकि के कार्य	
3.27	सांख्यकि की आवश्यकता	
3.28	शोध में प्रयुक्त सांख्यकि	
4	**चतुर्थ अध्याय – तथ्यों का प्रदर्शन, संकलन, विश्लेषण एवं सारणीयन**	**52–89**
4.1	प्रस्तावना	
4.2	प्रदत्तों का सारणीयन एवं विश्लेषण	
4.3	प्रदत्तों का निष्कर्ष	
5	**पंचम अध्याय– शोध के निष्कर्ष, शैक्षिक निहितार्थ व सुझाव**	**90–98**
5.1	प्रस्तावना	
5.2	समस्या कथन	
5.3	शोध का महत्व	
5.4	शोध के उद्देश्य	
5.5	शोध की परिकल्पनाएँ	
5.6	शोध विधि	
5.7	न्यादर्श	
5.8	उपकरण	
5.9	शोध के प्रमुख निष्कर्ष	
5.10	शोध के परिपेक्ष्य में सुझाव	
5.11	भावी शोध हेतु सुझाव	
6	**सन्दर्भ ग्रन्थ सूची**	99–100
7	परिशिष्ट	